भैरव देव आ जाते मेरे सामने भजन लिरिक्स

नाकोडा में पार्श्व भैरव का,
कितना सुंदर धाम है,
मेवानगर के राजा जिनका,
इस दुनिया मे नाम है,
जब दिल से इसे पुकारू मैं,
इन नयनो से निहारु मैं हो,
भैरव देव आ जाते मेरे सामने,
मेरा दादा आ जाते मेरे सामने।bd।

तर्ज – कुछ गीत लबो पे सजते है।

पार्श्वनाथ की सुंदर प्रतिमा,
मेरे मन को लुभाती है,
काला गोरा भैरव संग में,
दीये संग ज्यो बाती है,
जब जब भी आंगिया रचाऊँ में,
जब दिव्य ज्योत प्रकटाऊँ में,
भैरव देव आ जातें मेरे सामने,
मेरा दादा आ जाते मेरे सामने।bd।

गजब का है श्रंगार इनके,
मुख पे चमके नूर है,
काला गौरा भैरव देव,
हाज रा हजूर है,
भक्ति से इन्हें रिझाऊँ में,
प्यारा सा भजन सुनाऊँ में,
भैरव देव आ जातें मेरे सामने,
मेरा दादा आ जाते मेरे सामने।bd।

तेरा ही दीदार करूँ में,
जहाँ भी जाती है ये नजर,
है अनमोल ये लम्हा 'दिलबर',
आया में दादा के दर,
दिल का हाल सुनाऊँ में,
चरणों में शीश झुकाऊँ में,
भैरव देव आ जातें मेरे सामने,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

नाकोडा में पार्श्व भैरव का,
कितना सुंदर धाम है,
मेवानगर के राजा जिनका,
इस दुनिया मे नाम है,
जब दिल से इसे पुकारू मैं,
इन नयनो से निहारु मैं हो,
भैरव देव आ जाते मेरे सामने,
मेरा दादा आ जाते मेरे सामने।bd।

गायक – अनमोल जैन।
रचनाकार – दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर'।
नागदा जक्शन, म.प्र. 9907023365

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com